सम्पादक की कलम से

शिक्षित व्यक्ति से राष्ट्र निर्माण

शिक्षा एक ऐसी कुँजी है, जिससे सभी प्रकार के ताले खुलते है, और इतना ही नहीं जिस देश प्रदेश में शिक्षित साक्षरता हो उस राष्ट्र का विकास एवं स्वाभिमान भी अन्यों के मुकाबलें आगे रहता है, यदि राष्ट्र निमार्ण की भावना एवं लक्ष्य सरकार चलाने वालों का बन जाय, तो समस्त प्रकार के अंधकार से मुक्ति मिलाने में देर नहीं लग सकती हैं।

हम अपने भारत देश में ही यह देख सकते है कि केरल प्रदेश में प्रायः पूर्ण साक्ष्रता है याने वहाँ के सभी नर–नारी शिक्षित है, केरल को नागरिक को शिक्षित होना ही चाहिए, इसलिए अपने सरकारी बजट एवं शिक्षा दिलाने के लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षा को अनिवार्य बना दिया, परिणाम केरल में गरीबी नाम मात्र की है अंध श्रद्धा फिजूल खर्ची से नागरिक जागरूक है, वहाँ रीति–रिवाजों धार्मिक कर्मकाण्डों पर धन की बर्बादी प्रायः शिक्षित वर्ग करता ही नहीं हैं। विश्वभर में केरल के शिक्षित नर–नारी मानव सेवा कर रहे है सबसे अधिक वैज्ञानिक प्रशासनिक सेवा जैसे क्षेत्र में अंग्रणी है, स्टेनो तो प्रायः केरलवासी ही सबसे अधिक है । नर्स भी केरल की अधिक है। यह सब शिक्षा की ही देन है।

दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने भी सरकारी बजट में शिक्षा का सर्वाधिक बजट बनाकर प्रदेश के विद्यार्थियों को शिक्षित एवं उच्च तकनीकी शिक्षित करने की देश की सरकारी से सबसे अधिक बजट याने 25 प्रतिशत् राशि शिक्षा के मद में व्यय की जा रही है। आगे चलकर दिल्ली भी केरल सरकार का मुकाबला शिक्षा के क्षेत्र में करने हेतु अगवानी कर रही है।

सामाजिक क्रान्ति के जनक महात्मा जोतिराव फुले सावित्रीबाई फुले ने तो शिक्षा को सर्वोपरी मानकर सभी वर्णों को शिक्षा के समान अवसर दिलाने की नींव रखी, देश में पहली बार नारी शिक्षा का सौपान प्रारम्भ किया। शूद्र–अतिशूद्र वर्ण के विद्यार्थियों को रोजगार मूलक निशुल्क शिक्षा के समान रूप से अवसर पाने का अभियान चला दिया। फुले द्वारा 18 विद्यालय प्रारम्भ किये जिसमें सभी वर्णों के विद्यार्थियों लड़का–लड़की को समान रूप से एक ही टाटपट्टी पर बैठकर शिक्षा पाने की शुरूवात कर दी। इसी कारण शूद्र एवं अतिशूद्र भी शिक्षित होने लगे । फुले के आदर्शों को अनुसरण डॉ. अम्बेड़कर ने बना दिया एवं किया व शिक्षा को मौलिक अधिकार में शामिल कर संविधान में क्रान्तिकारी अधिकार सम्पन्न देश के सभी वर्णों के लोगों को समान अवसर पाने का अधिकार में प्रदान कर दिया।

आजाद भारत की सरकारों ने शिक्षा को गोण विषय बना दिया बजट में नाममात्र की राशि का आवटन का प्रावधान रखा परिणाम स्वरूप देश की स्वतंत्रता के 72 वर्ष के बाद भी सर्वशिक्षा का ढ़िढोरा पीटा जाता रहा फिर भी लगभग 30.40: नागरिक अशिक्षित या अर्धशिक्षित बने हुए है। शिक्षा नीतिकारों ने भी शायद यह सौचा हो कि यदि सभी नागरिक शिक्षित हो जायेगें, तो फिर देश में श्रमिक नहीं मिलेंगे, निमार्ण कार्य नही हो पायेगें और शिक्षित नागरिक जागरूक होकर नागरिक अधिकारों के लिए संगठित होकर संघर्ष करेगें और विशिष्ठ वर्ण के लोगों के स्वंभू अधिकारो पर दुसरे वर्णों के नागरिक कब्जा करने लगेगें और ये भी सम्पन्न होने लगेगें, इसलिए सबको शिक्षित करने की कोई आवश्कता ही नहीं है, इन अशिक्षित नागरिकों को राजनैतिक दलों के द्वारा धार्मिक कर्मकाण्डों पूजा ,पाठ, आस्था के भ्रमर जाल में उलझाएं रखों इनके वोट लेते रहो और इन्हें सम्पूर्ण नागरिक अधिकार पाने लायक बनने मत दो। यह चिंतन करने का विषय है। हमारे देश के सक्षम मानव सेवी कुछ उपाय करने हेतु आगे आयें और वर्तमान में बुने गये षडयंत्रों का पर्दाफाश कर सबको शिक्षित कराने हेतु कुछ न कुछ उपाय जरूर करें। हमारे आरक्षित वर्गों के नौकरी पेशा धन्धा करने वाले अपनी आप को एक भाग शिक्षा के लिए रिर्जव रखकर शिक्षा कार्य के लिए योगदान करें। सरकार के भरोसे निःशुल्क रोजगार मूलक शिक्षा की आस छोड़ दे स्वंय कुछ न कुछ करें।

महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान उपरोक्त परिपेक्ष में विगत 2011 से कार्य कर रही है। एक ही केम्पस में कक्षा 6 से एक लाख विद्यार्थियों का निशुल्क रोजगार मूलक छात्रावास सुविधा के साथ ''आदर्श शिक्षादान की अभिनव योजना'' पर आगे बढ़ रही है। राजस्थान में भूमि आवंटन होने के बाद विभिन्न अंचलों से तन–मन–धन से सहयोग के प्रस्ताव आने लगे है और शिक्षा का एक ऐसा अभियान चलेगा कि आने वाले वर्षों में एक नई शैक्षणिक क्रान्ति खड़ी हो जायेगी। पहल जारी है।

आइये हम सब शिक्षा के लिए अपनी क्षमता से आगे आकर सहयोगी बने और राष्ट्र में योगदान देने लायक अपने आपको समर्पित बनायें। शिक्षित व्यक्ति ही राष्ट्र निमार्ण में योगदानी सिद्ध हो सकता है।

जय–ज्योति–जय क्रान्ति

- रामनारायण चौहान

हमारे प्रेरक प्रातः स्मरणीय पूर्वज महानायक सन्त रैदास (रविदास)

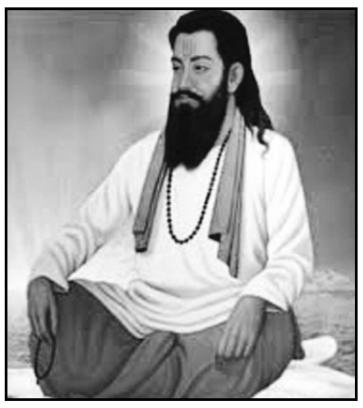

सन्त रैदास, कबीर के समकालीन थे आपका जन्म माघ पूर्णिमा के दिन काशी में चमार परिवार (अनुसूचित जाति) में हुआ थाआपने अपने भजन–कीर्तन के द्वारा समाज सुधार का बड़ा प्रयास किया ताकि जन्म के आधार पर ऊँच–नीच का भेद–भाव मिटाया जा सके परन्तु ब्राम्हण ऐसे क्रान्ति रत्न को सन्त की संज्ञा देकर उसकी सामाजिक परिवर्तन की आग को बुझा देने का कुचक्र सदा से चलाते रहे हैं। यही दुर्घटना सन्त रविदास (रैदास) के साथ भी हुई। ब्राम्हणों ने प्रचारित करवाया कि एक ब्राम्हणी के पुत्र कुछ समय बाद

ब्राम्हणों ने प्रचारित करवाया कि एक ब्राम्हणी के पुत्र कुछ समय बाद जीवित नहीं रहते थे अतः उसे बतलाया गया कि अगले बच्चे को जन्म देने के तुरन्त बाद अपना दूध न पिलाकर अन्य किसी दलित (रैदास = चमार) माँ का दूध पिलाया जाय तो बच्चा जीवित रहेगा, संसार में नाम भी करेगा। यही बालक आगे चलकर सन्त रैदास बने, ऐसा ब्राम्हणों ने षडयंत्र रचा ताकि सिद्ध हो सके कि केवल ब्राम्हण ही मेधावी और प्रज्ञावान होते हैं।

यथार्थ में सन्त रविदास बहुत ज्ञानी थे। मानववादी थे, वे ब्राम्हणों की जन्मना श्रेष्ठता के विरोधी थे जैसे स्पष्ट है

"कहें रविदास सुनो भाई सन्तों, ब्राम्हण के गुण तीन, मान हरे, धन सम्पत्ति लूटे और मति लियो छीन।।

सन्त रविदास वेदों की उपयोगिता भी नहीं मानते थे, वे महान समाज सुधारक थे परन्तु हमको वही पढ़ने को मिला जो ब्राम्हणों ने अपनी किताबों में अपने लाभ के लिए लिख दिया। जैसा कि इस उदाहरण से स्पष्ट है :

''चारों वेद करो खण्डौती,
गुरु रविदास करो दण्डौती''

यदि बाबा साहब डा0 अम्बेडकर मनुस्मृति को 1927 में जला सके तो उसकी प्रेरणा उन्हें सन्त रविदास से ही मिली थी। सन्त रविदास का ज्ञान उच्चकोटि का था तभी तो उच्च कुल (राजपूत) में जन्मी मीराबाई ने अपने पति के विरोध पर भी चित्तौड़ से चलकर काशी आकर सन्त रैदास को अपना गुरु बनाया। सन्त रैदास का जोर था आडम्बरवादी, अन्धविश्वासी न बनो, वे कहते थे

कर्म तेरा अच्छा तो किस्मत तेरी दासी,
नियत तेरी अच्छी तो घर में मथुरा काशी

सन्त रविदास तथागत बुद्ध की भांति मन को शुद्ध करने पर जोर देते थे उनकी बहुत प्रसिद्ध कहावत हम सभी जानते हैं, "मन चंगा तो कठौती में गंगा यद्यपि कठौती का पानी चमड़े के भिगोने से लाल रंग का गन्दा हो जाता है। सन्त रविदास में शक्ति के साथ भक्ति भी थी। सामाजिक परिवर्तन हेतु शक्ति आवश्यक है। ब्राम्हणों ने षडयंत्र स्वरूप मीरा द्वारा एक विशाल भोज के आयोजन हेतु सन्त रैदास को राजस्थान बुलाया और बाद में वहीं उनकी हत्या कर दी गई। हम सब इस कुचक्र को समझ कर अपने समाज के स्त्री–पुरुषों को समझाकर ब्राम्हण वाद से दूर रखें यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि और अपना पावन कर्तव्य होगा।

एस0बी0 सैनी (B.E.)
पूर्व मण्डल अभियन्ता BSNL
महामंत्री पंचशील सोसाइटी कानपुर
मो0: 9415407576

हिना कावरे विधानसभा उपाध्यक्ष बनी

सुश्री हिना कावरे पुत्री शहीद लिखीराम कावरे लांजी बालाघाट से दूसरी बार विधायक चुनी गई। इसके पूर्व इनकी माताजी पुष्पलता लिखीराम कावरे इसी क्षेत्र से दो बार विधायक रही। इनके पिता शहीद लिखीराम कावरे मध्यप्रदेश शासन के परिवहन मंत्री थे 16 दिसम्बर 1999 को उनकी हत्या बेरहमी से कर दी गई थी।

स्व. लिखीराम कावरे संयुक्त माली सैनी मरार समाज के अध्यक्ष रहे उन्होंने भोपाल में महात्मा फुले भवन

बनाने हेतु दिनांक 28 नवम्बर 1999 को राजस्थान के मुख्य मंत्री अशोक गेहलोत एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के कर-कमलो से भूमि पूजन कराया था।

सुश्री हिना कावरे उच्च शिक्षित प्रतिभाशाली समाजसेवी हैं दूसरी बार विधायक बनने पर कमलनाथ सरकार द्वारा इनको विधानसभा का उपाध्यक्ष बनाया गया।

महात्मा फुले शिक्षण संस्थान एवं शिक्षा ईशारा परिवार सुश्री हिना कावरे के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

गौतम पाटिल छत्तीसगढ़ प्रशासनिक सेवा की द्वितीय श्रेणी उत्तीर्ण कर डिप्टी कलेक्टर चयन हुए। बधाई

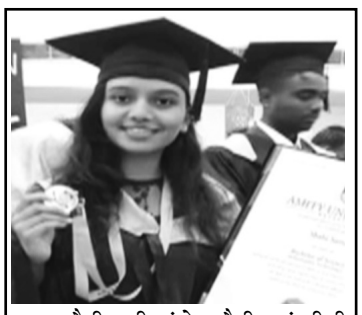

शूल सैनी पुत्री संतोष सैनी एवं टीसी सैनी शौर्य प्रशिक्षण में सफल होने पर बधाई।

नागौर लाडनु मंलपुरा के बंटी सैनी पुत्र श्री कन्हैया लाल टाक सीए परीक्षा में उत्तीर्ण। बधाई

खुश रहने के लिए बस एक ही मंत्र है,
उम्मीद बस खुद से रखों किसी ओर इन्सान से नहीं।
अकेले चलना सीख लो, जरूरी नहीं जो आज,
तुम्हारे साथ है वो कल भी तुम्हारे साथ रहे, ।

ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

क्रोध के समय थोड़ा रूक जाये,
और गलती के समय
थोड़ा झुल जाय, दुनिया की सब
समस्यायें हल हो जायगी।''

महात्मा बुद्ध

सामाजिक चिंतन (भाग-20)

समाज सुधार में महापुरूषों के आदर्श अपनाओं

कहने सुनाने ज्ञान देने में प्रायः प्रत्येक मानव अपने मन के विचार उसका अनुभव अपनी तर्कशक्ति अपनी पाई हुई शिक्षा के अनुरूप दुसरों को ज्ञान बताने में कभी पीछे नहीं रहता है। ऐसे मानव अपने आपको सुलझा हुआ मानकर अन्यों पर अपना प्रभाव जमाने के चक्कर में कुछ भी आधी अधूरी शिक्षा देकर यह समझकर प्रसन्न रहने का प्रयास करता रहता है। बिना पैसे लिए मुफ्त में ज्ञान देने में क्या बिगड़ता है, सुनने वाला चाहे सुनना चाहे या नहीं भी चाहे सुनाने वाला कहने का प्रयास छोड़ता नहीं है।

प्रायः फुर्सत में रहने वाले यह चाहते रहते कि मैं समाज सेवा कर रहा हूँ, फिर समाज सेवा तो अपनी त्याग–तपस्या परोपकार की भावना से ही की जा सकती है। कई मानव इस प्रकार से समाज सेवा करने में सफल भी हुए है, किन्तु अधिकांश तो मन बहलाने के लिए दुसरों को कहते है कि मैं तो समाज सेवा करता हूँ, या करना चाहता हूँ। किसी को भी किसी समाज सेवा से छोटा या बड़ा लाभ या सहयाता पहुँचती है तो ऐसे समाज सेवी का जीवन सफल रहता है, किन्तु दिखाने की समाज सेवा तो बेकार है।

हम समझ सकते है हमारे देश में ऐसे–ऐसे महापुरूषों ने समाज परिवर्तन के लिए समाज उत्थान के लिए ऐसे कार्य किये, उपदेश दिये, मानव सेवा बिना भेदभाव के समान रूप समता से भाव से की है जिससे मानव कल्याण के आयाम स्थापित हुए है। ऐसे महापुरूष असली समाजसेवी होते है।

तथागत महात्मा बुद्ध, महावीर, गुरूनानक, दाऊ, कबीर, रैदास, महात्मा जोतीराव फुले, ज्ञानज्योति सावित्रीबाई फुले, विवेकानन्द बाबा साहेब भीमराव अम्बेड़कर महात्मा गांधी, पैरियार पी.वी. रामास्वामी, नारायण गुरू आदि द्वारा की गई मानव सेवा से मनुष्य का जीवन चरित्र ही सुधरने लगा। इन महापुरूषों ने निस्वार्थ समाज सेवा के जो आयाम स्थापित किये, जिन्हें पीढ़ीयों तक भुलाया नहीं जा सकता, ये महापुरूष अपने सादा जीवन उच्च विचार से मानव की असामनता की खाई बहार निकालने में सफल हुऐ है, इनके आदर्शों को अपनाकर मानव परोपकार के लिए प्रतिबद्ध रह सकता है और जो भी व्यक्ति निस्वार्थ भाव से छोटी से छोटी या बड़ी से बड़ी अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से मानव या प्राणियों की, पर्यावरण की सेवा करता है, ऐसे मानव को कभी कोई भुला ही नहीं सकता है। बिना मानव सेवा किये मानव जीवन पाना बेकार ही है, अपना–अपने वालों का पेट पालना उनका उत्थान करना तो हर कोई करता ही है लेकिन दुसरों की समाज सेवा करना कोई अर्थ निकलता है, वही असली मानव सेवा हो सकती है।

सामाजिक क्रान्ति के जनक महात्मा जोतीराव फुले पुणे कन्स्ट्रक्शन कम्पनी के द्वारा बिल्डिंग, डेम बनाने का ठेका लेते थे, उनका टर्न ओव्हर 12 लाख था तब टाटा का टर्न ओव्हर 20 हजार था। फुले ने समाज सेवा के लिए जिन्हें शिक्षा पाने का अधिकार ही नहीं था उन्हें शिक्षित करने हेतु स्कूल खोले और बालिका शिक्षा प्रारम्भ कर महिलाओं को शिक्षित होने का मार्ग प्रशस्त कर दिया इसी प्रकार अनेक आदर्श स्थापित किये।

डॉ. भीमराव अम्बेड़कर अभावों में दुसरों की सहयाता से शिक्षित हुए, और भारत के संविधान में समता स्थापित कर सामाजिक मानवीय अधिकारों से नागरिकों को स्वाभिमान पूर्वक जीवन जीना सिखाया उनकी यह मानव सेवा कभी कोई भुला ही नहीं पायेगा।

हमारे महापुरूषों के आदर्श अपना कर समाज में व्याप्त कुरितियां, आर्थिक असमानता, सांस्कृतिक उत्थान, शिक्षा पाकर मानव सेवा किसी भी आयाम से प्रारम्भ कर सकते है। सबसे छोटे से क्षेत्र से समाज सेवा कभी भी जब चाहे तब कोई भी प्रारम्भ कर सकता है।

हम प्रायः दिग्भ्रमित है अंध श्रद्धा, अवैज्ञानिक, धार्मिक, कर्मकाण्ड के चक्कर में फंसते जा रहे है, वैज्ञानिक आधारों पर जो विषय खरा उतरता हो उसे मान्यता देकर अपने जीवन में उतार कर एक आदर्श मानव का जीवन जी सकते है। जिस प्रकार चीन, जापान, इज्राइल, कोरिया, अमेरिका, रूस जैसे देश वैज्ञानिक आधारों पर समाज एवं देश को आगे बढ़ा रहे है उसी प्रकार हम भी चिंतन कर सकते है।

सामाजिक संस्थाओं के साथ जुड़कर मानव सेवा में अपने आपको किसी भी रूप में जोड़ सकते है अपनी आय का कुछ अंश धार्मिक कर्मकाण्डों को छोड़कर मानव उपकार के लिए जरूर सहायता कर सकते है। मानसिक शान्ति के लिए परोपकार के कोई भी कार्य कर सकते है। शिक्षा के क्षेत्र में योगदानी बने जिससे आगे आने वाली पीढ़ी में सुधार हो सके।

हम महापुरूषों की जीवनियां पढ़े उनके आदर्शों को समझे फिर स्वंय उनपर चलने का संकल्प लेकर समाज सेवा के योगदानी बनकर अपना जीवन का लक्ष्य पूरा कर सकते है। समाज चिंतन के पक्षों को समझकर अमल करें। एक आदर्श मानव बने। करिये चिंतन और आगे बढ़िये।

रामनारायण चौहान

महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान

ए-103, ताज अपार्टमेन्ट्स, गाजीपुर, दिल्ली -110096

फोन/फैक्स नं. 011-45082626, मो. : 09990952171

E-mail: phuleshikshansansthan@gmail.com Web: www.phuleshikshansansthan.org.

आजीवन सदस्यता फॉर्म

मैं महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान का आजीवन सदस्य बनना चाहता हूँ/चाहती हूँ।

मैं अपनी आजीवन सदस्यता राशि रु. 3000/- शिक्षादान की राशि रू. 11000/-स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, रोहिणी कोर्ट ब्रांच, दिल्ली, IFSC कोड नं. SBIN/0010323 के करन्ट एकाउंट नं. 32240494101 में जमा कर काउन्टर स्लिप संलग्न कर रहा/रही हूं।

मेरी जानकारी निम्नानुसार है :-

1. नाम
2. पिता/पति का नाम
3. जन्म तिथि 4. ब्लड ग्रुप
5. शिक्षा
6. व्यवसाय
7. वोटर कार्ड नं. 8. ड्राईविंग लाइसेंस नं.
9. आयकर पेन कार्ड नं. 10. आधार कार्ड नं.
11. स्थायी पता

पिन कोड

12. पत्र व्यवहार का पता

पिन कोड

13. फोन/फैक्स नं. 14. मोबाईल नं.
15. ई-मेल

Passport Size Photo

दिनांक: प्रभारी के हस्ताक्षर (कोड नं.) आजीवन सदस्य के हस्ताक्षर

कार्यालय उपयोग हेतु

श्री..... ने रसीद नं. ..... दिनांक ..... से रु. 3000/- जमा करा दिए है।

सदस्यता कोड नं.: आजीवन सदस्यता प्रदान की जाती है। अध्यक्ष कोषाध्यक्ष

आपसी बात

शिक्षा ईशारा अब यह कालम इसलिये बना रहा है कि देश के अनेक भागों से मोबाइल/फोन पर बातचित होती है इसका रिकार्ड भी रखना फर्ज समझ रहा है।
तो आइये मो. 09990952171 या फोन नं.01145082626
पर हमारे कार्यालय में जो भी बातचीत होगी उसके अंश प्रकाशित होते रहेंगें।

माह - जनवरी से फरवरी 2019

- मध्यप्रदेश– जी.पी.माली, पी.एन. अम्बाड़कर, राजेन्द्र कुमार सैनी डॉ. प्रेमलता सैनी, डॉ. छाया सैनी(भोपाल), सत्यनारायण कच्छावा, सुरेन्द्र सांखला, लीलाधर धारवे गजान्नद रामी(उज्जैन), उमेश पंचेश्वर, जनक मराठे (बालाघाट), मोहन माली (भौरासा), विनोद मकवाना (बड़नगर), मुन्ना थलौरे(इन्दौर)।
- राजस्थान– एड. अनुभव चन्देल सैनी, मांगीलाल पंवार, छुट्टनलाल सैनी, भवानीशंकर माली, पूनमचन्द कच्छावा, ओ.पी. सैनी ;त्ज्ण्ौद्ध ओंकारमल सैनी, रामप्रसाद सैनी, दिनेश सैनी (पत्रकार), बुधसिंह सैनी, राजेन्द्र सैनी(जयपुर), गोपाल भाटी (जैतारण), मेवालाल जादम (अजमेर), आचार्य रामगोपाल सैनी (सीकर) ।
- हरियाणा– हेमन्त सैनी(रेवाड़ी), गुरूदयाल सिंह सैनी (पूर्वसांसद), राजेन्द्र कुमार सैनी (लाड़वा),
- पंजाब– हरभजन सिंह सैनी (मोहाली), हरभजन सिंह लोंगिया (रूपनगर)।
- दिल्ली– जी.एल. सैनी, चौ.इन्द्रराजसिंह सैनी, शिवराज सैनी, आर.पी. सैनी, के.पी. सिंह **(CA)** एड. रमेश सैनी, श्रीपाल सैनी, ।
- उत्तरप्रदेश– अवनीश सैनी (गाजियाबाद), श्रीचन्द सैनी, बृजेन्द्र सैनी (मेरठ), रविन्द्र कुमार सैनी (कन्नौज), संजय माली (प्रयागराज), नारायण सिंह कुशवाह (आगरा) राजबहादुर सैनी (अमरोहा), एस.बी. सैनी (कानपुर)।
- बिहार– संजय मालाकार (पटना), मदनमोहन भक्त (भोजपुर–आरा), गौरीशंकर प्रसाद (पहलेजा)
- महाराष्ट्र– ज्ञानेश्वर गौरे, डॉ. दिलीप घावड़े (यवतमाल),श्रावण देवरे (नासिक), महेश गणगणे(अकोला), राजेन्द्र सैनी (मुम्बई)।
- छत्तीसगढ़– हरीश पटेल यज्ञदेव पटेल (बालोद), राजेन्द्र नायक (महासमुन्द) ।
- कर्नाटक– एन. एल. नरेन्द्रबाबू ।
- हिमाचल प्रदेश– पी.डी. सैनी (कांगड़ा) ।
- तेलंगाना– सुकुमार पेटकुले ।
- उड़ीसा– अनुदराम पटेल (नुवापाड़ा) ।
- चैन्नई– व्ही. एम. पल्लव मोहन वर्मा (चैन्नई)।

Dr. B.R. AMBEDKAR

(1891-1956)

B.A., M.A., M.Sc., D.Sc., Ph.D., L.L.D., *D.Litt., Barrister-at-La w.* *B.A.(Bombay University)* *Bachelor of Arts,* *MA.(Columbia university) Master* *Of Arts,* *M.Sc.(London School of* *Economics) Master* *Of Science,* *Ph.D. (Columbia University)* *Doctor of* *philosophy ,* *D.Sc.(London School of* *Economics) Doctor* *of Science* *L.L.D.(Columbia University)* *Doctor of* *Laws ,* *D.Litt.(Osmania* *University)* *Doctor of* *Literature,* *Barrister-at-La (Gray's Inn,* *London) law* *qualification for a lawyer in* *royal court of* *England.* *Elementary Education, 1902* *Satara,* *Maharashtra* *Matriculation, 1907,* *Elphinstone High* *School, Bombay Persian etc.,* *Inter 1909,Elphinston e* *College,Bombay* *Persian and English* *B.A, 1912 Jan, Elphinstone* *College, Bombay,* *University of Bombay,* *Economics & Political* *Science* *M.A 2-6-1915 Faculty of* *Political* *Science*, *Columbia University, New York,* *Main-* *Economics* *Ancillaries-Soc iology,* *History* *Philosophy,* *Anthropology, Politics* *Ph.D 1917 Faculty of* *Political* *Science,* *Columbia University, New* *York,* '*The* *National Divident of India - A* *Historical and* *Analytical Study'* *M.Sc 1921 June London* *School* *of* *Economics, London 'Provincial* *Decentralizatio n of Imperial* *Finance in* *British India'* *Barrister-at-Law 30-9-1920* *Gray's Inn,* *London Law* *D.Sc 1923 Nov London* *School*, *of* *Economics, London 'The* *Problem of the* *Rupee - Its origin and it's,* *solution' was* *accepted for the degree of D.Sc.* *(Economics).* *L.L.D (Honoris Causa) 5-6-1952* *Columbia* *University, New York For HIS* *achievements,* *Leadership and authoring the* *constitution of* *India* *D.Litt (Honoris Causa)* *12-1-1953 Osmania* *University, Hyderabad For HIS* *achievements,* *Leadership and writing the* *constitution of* *India!* *Name*

डॉ .बी .आर .अम्बेडकर मेमोरियल लंदन में अंकित महात्मा फुले

वैज्ञानिक सोच ..... महात्मा फुले.... लंदन

अभी दो तीन पहले दैनिक भास्कर में फ्रंट पैज पर खबर छपी हमसे 28 गुना ज्यादा पेटेंट ले रहा चीन... क्यों हम विज्ञान कांग्रेस में अवैज्ञानिक बात करते हैं ? क्यों दुनिया के टॉप 4000 वैज्ञानिकों में अमेरिका 2639,चीन 482 और हमारे केवल 10 हैं ? तब हम लोगों को महात्मा फुले के विचार दर्शन चिंतन की स्मृति होआती हैं कि उन्होने उस समय समाज को चेताया था कि हमें अंधविश्वासों की तिलांजली देकर नए सोच विचार के लिए पहले अपने जीवन में उसे उतारा फिर लोगों को समझाया , कि

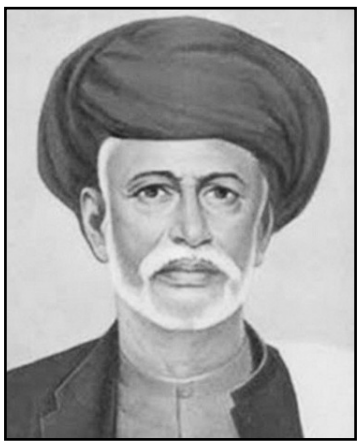

दिसंबर 2018 को मैंने वह स्थित हा बीआर अंबेडकर हाउस देखने का अवसर मिला ,तीन मंजिला इस

भवन में उनकी दिनचर्या व जीवन वृतांत से संबन्धित सामग्री का संग्रहण सैलानियों के प्रदर्शनार्थ रखा गया है। वहीं अलमारी के एक सेल्फ में बाबासाहेब के अभिप्रेरक साहित्य में महात्मा फुले की अवधारणाओं का गंथाकार संकलन भी अवलोकन मैंने किया । जो कि मेरे लिए सौभाग्य की बात रही व हम भारतीयों के लिए गर्व की । भास्कर में छपी उक्त खोज खबर से लगा कि अब भी हमें अंतराष्ट्रीय भौतिक उन्नति के लिए रहस्यमय आध्यात्मिक अवैज्ञानिक की सौच से ऊपर उठकर ऐसे महा मनीषियों ने प्रेरणा पाठ का अनुसरण करना होगा ।

रूढीवादी ढकोसलों से ऊपर उठकर आधुनिक शिक्षा से ही अच्छा जीवन सबका बन सकता है, जिसका परिणाम हुआ कि देश में स्वास्थय कृषि,उद्योग , निर्माण कार्यों आदि की नीतियाँ अंग्रेजो को बनाने के लिए आव्हान किया और देश की तरक्की की राह आसान हुई । जिसका अनुकरण बाबासाहेब अंबेडकर (वे भी श्रम नीतियों ,आधुनिक शिक्षा के पैरोकार थे) ने करते हुये , समतामय समाज रचना के अभियान को स्वतंत्र भारत में और भी अधिक व्यवहारिक रूप में संचालित लिया मुझे बेटी–दामाद के पास लगभग दो ढाई माह लंदन प्रवास का मौका मिला । विगत 31

पदमश्री डॉ. पी.एस. हार्डिया

इन्दौर– इन्दौर शहर के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पीएम हार्डिया इस क्षेत्र में दुनिया भर में जाना–माना नाम हैं। उनसे नई तकनीक सीखने विदेशों से भी डॉ. यहाँ आ चुके हैं। वर्ष 2002 में रेटिनिटिस पिरमेन्टोसा खुराक बीमारी के सफल आपरेश्न का तकनीक (ट्रेक्निक ऑफ ओमेटोक्सी) की खोज डॉ. हार्डिया ने वर्ष 1958 में एमजीएम मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू की थी। वर्ष 1968 में एमजे के बाद पिता के साथ गीता भवन अस्पताल में सेवाएं देना शुरू की। बेटे डॉ. राजीव

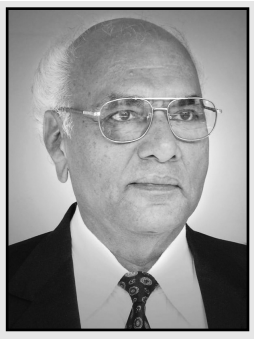

हार्डिया, दो बेटी और दो पोते भी चिकित्सक हैं। डॉ. हार्डिया ने अपनी और परिवार की सफलता संभालने वाली पत्नि लता हार्डिया को दिया। डॉ. हार्डिया ने कहा यह मरीजों की सेवा की वजह से मिला हैं। मैं बस यही संदेश देना चाहता हूँ कि डॉ. धरती के भगवान नहीं बल्कि दूसरी माँ के रूप में होते हैं। युवा डॉक्टरों को भी इसी भाव से मरीजों की देख रेख करनी चाहिए।

जानें! कैसे हुई थी संडे की छुट्टी की शुरूआत

नई दिल्ली। यार संडे को चलते हैं न घूमने। फिक्र नॉट, संडे को करते हैं पार्टी। पक्का भाग्यवान इस संडे को काम पूरा कर दूंगा। इस संडे तो कहीं नहीं जा रहा, पूरा दिन आराम करुंगा। उफ्फ, एक संडे और इतने काम। हां जी हो भी क्यों न, आखिर संडे को छुट्टी जो मिलती है। लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि हमारे लिए संडे की छुट्टी कराने वाले कौन थे। किस लिए संडे की छुट्टी दिलाई गई थी। संडे की छुट्टी कोई एक दिन में घोषित नहीं हो गई थी। इसके लिए बकायदा आठ साल तक लम्बी लड़ाई लड़ी गई थी। तब कहीं जाकर अंग्रेज अफसरों ने संडे की छुट्टी घोषित की थी। और इस आंदोलन के अगुआ थे नारायण मेघाजी लोखंडे।

बात अंग्रेजी शासनकाल की है। कपड़ा और दूसरे तरह की मिलों में भारतीय मजदूरों की बड़ी संख्या थी। लेकिन उन भारतीय मजदूरों की आवाज उठाने वाला कोई नहीं था। इसी दौरान नारायण मेघाजी लोखंडे मजदूरों के हक में आवाज उठाई। कहा

जाता है कि लोखंडे ही वो श्ख्स थे जिन्होंने मिल मजदूरों के हक में पहली बार आवाज उठाई थी। लोखंडे को श्रम आंदोलन का जनक भी कहा जाता है। भारत में ट्रेड यूनियन का पिता भी कहा जाता है। आंदोलन में ज्योतिबाफुले का साथ भी लोखंडे को मिला था। वर्ष 1881 में लोखंडे ने मिल मजदूरों के लिए संडे की छुट्टी करने की मांग रखी। लेकिन अंग्रेज अफसर इसके लिए तैयार नहीं हुए।

संडे की छुट्टी के संबंध में लोखंडे का तर्क था कि सप्ताह के सात दिन मजदूर काम करते हैं, लिहाजा उन्हें सप्ताह में एक छुट्टी भी मिलनी चाहिए। संडे की छुट्टी लेना इतना आसान नहीं था,

यार संडे को चलते हैं न घूमने। फिक्र नॉट, संडे को करते हैं पार्टी। पक्का भाग्यवान इस संडे को काम पूरा कर दूंगा।

लिहाजा लोखंडे को इसके लिए एक आंदोलन छेड़ना पड़ा। आंदोलन वर्ष 1881 से लेकर 1889 तक चला। इतना ही नहीं लोखंडे ने मजदूरों के हक में इन मांग को भी अंग्रेज अफसरों के सामने उठाया था। दोपहर में आधा घंटे का खाने के लिए अवकाश, हर महीने की 15 तारीख तक वेतन मजदूरों को मिल जाए और काम के घंटे तय हो जाएं।

मौजूद दस्तावेजों की मानें तो मजदूरों के लिए लोखंडे ने संडे की छुट्टी पिकनिक मनाने या पत्नी के बताए घर के तमाम काम पूरा करने के लिए नहीं मांगी थी। छुट्टी लेने के पीछे उनका तर्क था कि सप्ताह के सात दिन मजदूर अपने परिवार के लिए काम करते हैं। एक दिन देश और समाज के लिए भी होना चाहिए। जिससे वो देश और समाज हित में भी काम कर सकें।

श्रद्धांजलि

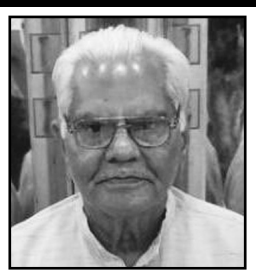

जन्म : 06 अगस्त 1933
स्व. डॉ. पी.एन.अम्बाडकर
वरिष्ठ समाजसेवी
रामजी महाजन पिछड़ा वर्ग
राज्यसेवा पुरस्कार से पुरस्कृत
परिनिर्वाण : 24 जनवरी 2019

स्व. राधेश श्याम सांकला
परिनिर्वाण :26 जनवरी 2019
उज्जैन

महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान एवं शिक्षा ईशारा परिवार की ओर से श्रद्धांजलि

देश भर के समाचार

● नागपूर (महा.)– श्रीमाली वैभव की 40 वीं वर्षगांठ पर अप्रैल में स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है। सम्पर्क–9960850307 ।

● ठाणे (महा.)– 27 जनवरी को जन अधिकार का सम्मेलन उक्त जानकारी शिवदास महाजन ने दी।

● गांधीनगर (गुजरात)– वैज्ञानिक सेम पितोड़ा ने विश्व विद्यालय के छात्रों को युवा ससंद में कहा कि धर्म से पैदा नहीं होगी नौकरियां, विज्ञान करेगा भविष्य निमार्ण उन्होने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र में विज्ञान पर बहुत कम चर्चा होती हैं। देश के युवाओं को लोगों एवं राजनैतिक नेताओं द्वारा गुमराह किया जा रहा है।

● दिल्ली– इंडिया स्पेंड के अनुसार राष्ट्रीय औसत आय 113222 रू. एससी की आय 21 प्रतिशत् एस.टी. की आय 34 प्रतिशत् ओबीसी की आय 08 प्रतिशत् अगड़ी जातियों की सम्मत्ति ब्राहम्ण 48 प्रतिशत् गैर ब्राहम्ण 45 प्रतिशत्/धर्म जाति के आधार पर वार्षिक आय एस.सी. 89356ए एस.एस. टी. 75ए 216ए ओबीसी 75216 ओबीसी 104099 अगड़ी जातियाँ ब्राहम्ण 167013 गैर ब्राहम्ण,164633 मुस्लिम 105538 अन्य 242708 रू.है। उक्त आंकड़े 1961 से 2012 तक के नवम्बर 2018 में जारी वेल्थ इनइक्वेलिटी क्लास एण्ड कास्ट इन इंडिया रिपोर्ट से खुलासा हुए है। अगड़ी जातियों में 10 प्रतिशत् लोगों के पास है 60 प्रतिशत् दौलत।

● रेवाड़ी (हरि.)– फुले दम्पत्ति को भारत रत्न देने के लिए अर्न्तराष्ट्रीय सैनी समाज ने राष्ट्रपति के नाम नगराधीश को ज्ञापन दिया ।

● पुणे (महा.)– विदर्भ माली समाज उत्कर्ष संघ के सुखदेव वानखेड़े ने बताया कि 20 जनवरी को युवक–युवति परिचय सम्मेलन आयोजित।

● उज्जैन (म.प्र.)– फूलमाली समाज द्वारा तृतीय सामूहिक विवाह समारोह बापू नगर धर्मशाला में आयोजित।

● राजीम (छग.)– मरार पटेल समाज का युवक–युवति परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वर–वधु को आर्शीवाद दिया। उक्त जानकारी अध्यक्ष राजेन्द्र नायक एवं यज्ञदेव पटेल ने दी ।

● दिल्ली– भारतीय शिक्षा प्रणाली और महिला सशक्तिकरण विषय पर मौर्य फ्रेन्डस ग्रुप द्वारा शिखर सम्मेलन में उद्वोगपति संतोष भगत प्रियंका शाक्य एसडीएम बुलन्दशहर अविनाश चन्द अतिथि ने उत्कृष्ट छात्रों, शिक्षकों व्यपार तकनीक व उद्योग क्षेत्र के लोगों को सम्मानित किया।

● आलोट(म.प्र.)– सावित्री बाई फुले की जयंति पर चल समारोह नगर में निकला । उक्त जानकारी विनोद माली ने दी ।

● श्योपुर (म.प्र.)– बड़ोद में सरकारी महाविद्यालय खोलने हेतु रामनरेश सुमन ने मांग की।

● हिंगोली(महा.)– सांसद राजीव सातव को ससंद रत्न पुरस्कार चैन्नई में राज्यपाल द्वारा प्रदान । बधाई ।

● रायपुर– कृषक परिवार का शिक्षक पुत्र मरार पटेल समाज को गौरान्वित करने वाले गौतम पाटिल छ.ग.पी.एस. चयन सूचि में द्वितीय स्थान प्राप्त कर डिप्टी कलेक्टर पद पर है।

● जयपुर(राज.)– महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान की ओर से 10वीं सत्यशोधक गोलमेज परिषद का आगाज गुरूवार को विद्याधर नगर सेक्टर–3 महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान परिसर में हुआ संस्थान के राष्ट्रीय महासचिव रामनारायण चौहान ने बताया परिषद में महात्मा ज्योतिराव फुले सावित्रीबाई बाबा साहेब अम्बेड़कर द्वारा स्थापित आदर्शों को वर्तमान संदर्भ में उपादेयता जातिगत जनगणना आरक्षण क्रीमीलेयर जैसे विषयों पर लगभग 20 राज्यों के विषय विशेषज्ञ शिक्षाविद समाजसेवी पत्रकार, प्रबोधनकार ने विचार विमर्श किया।

● जोधपुर(राज.)– समाज की होनहार प्रतिभाशाली बेटी सुश्री रूपल गेहलोत पुत्री श्री दिनेश गेहलोत खोखरिया बेरा मंडोर के ढ। बनने पर बधाई ।

● जयपुर(राज.)– समाज की लाड़ोरानी शालू सैनी पुत्री श्रीमति संतोष सैनी एवं श्री टी सी सैनी (शौर्य प्रशिक्षण संस्थान जयपुर) की बीएससी आई.टी. 2018 की डिग्री में AMITY University टॉप एवं गोल्ड मेडल प्राप्त करने हेतु बधाई।

● धत्तरपुर– ग्राम बूदौर निवासी बेटी कु. नेहा कुशवाहा का एयर इंडिया में असिसटेन्ट मैनेजर के पद पर चयन हेतु बधाई।

● हिसार(हरि.)– 89 वीं रैंक हासिल करने वाले गौरव सैनी ने दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज से डठठै किया। एवं इंडियन कांउसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च से फैलोशिप भी हासिल कर यूपी एस.सी, परीक्षा उर्त्तीण कर आई.ए.एस. बनने पर बधाई।

● जयपुर (राज.)– मुख्यमंत्री अशोक गेहलोत के पीएसओ. किशोरीलाल सैनी को पदमश्री मिलने पर बधाई।

● भोपाल – फूल माली समाज द्वारा दिनांक 7 मई को ग्राम जगदीशपुर (इस्लाम नगर) बैरसिया रोड़ डी.सी. कान्वेन्ट स्कूल के सामने सामूहिक विवाह का आयोजन । सम्पर्कः– कृष्ण गोपाल माली 9826049095, हरिनारायण माली 9826073344, हरोसिंह सैनी 9893034621, शन्ति माली 8959406700ए गीता प्रसाद माली 9993673655

संकलन

रामलाल कच्छावा
कोषाध्यक्ष

10 वीं अ. भा. सत्यशोधक गोलमेज परिषद सम्पन्न

जयपुर (राज.)– दिनांक 10 एवं 11 जनवरी को विद्याधर नगर महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान में 10वीं अखिल भारतीय सत्यशोधक समाज गोलमेज परिषद के अध्यक्ष अरविन्द माली उद्घाटन गुरूदयाल सिंह सैनी पूर्व सांसद (कुरूक्षेत्र) चौ. इन्दराजसिंह सैनी, मांगीलाल पंवार, शंकरराव लिंगे, गंगाराम गेहलोत, एन.एल. नरेन्द्रबाबू, रामलाल कच्छावा, रामनारायण चौहान, ओ.पी.सैनी (रिटार्यड आई.ए.एस.)प्रो. श्रावण देवरे, हरभजन सिंह सैनी, राजेन्द्र कुमार सैनी, आर.पी. सैनी, श्रीपाल सैनी, डॉ. दिलीप घावड़े, दिलीप कोटरंगे, हेमन्त फुले, अनुभव चन्देल, आदि ने अतिथियों सहित विभिन्न प्रदेशों के लगभग 400 प्रतिनिधियों ने दो दिन तक गहन मंथन किया।

1. जातीगत जनगणना यह ओबीसी के सर्वागण विकास का केन्द्र बिन्दु है।

2. आरक्षण यह गरीबी हटाओ का कार्यक्रम नहीं अपितु यह प्रतिनिधित्व की लड़ाई है। 3ण क्रीमिलेयर यह ओबीसी आरक्षण के गले का फंदा है। 4ण फुलेजी का ''सार्वजनिक सत्यधर्म'' जानकर हमारा धार्मिक सांस्कृतिक सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक एवं राजनैतिक उत्थान कैसे हो?

निमंत्रक रामलाल कच्छावा, अध्यक्ष आयोजन समिति मांगीलाल पंवार, राष्ट्रीय संयोजक डॉ. ज्ञानेश्वर गौरे ने 10वीं गोलमेज परिषद का महत्व बताया।

गोलमेज परिषद के नियंत्रक प्रा. दीपक बाघ संचालन, मायाताई गौरे एवं पूनमचन्द कच्छावा ने किया। आभार डॉ. संजय ढ़ाकुलकर ने किया।

खा.राजीव सातव चैथ्यांदा संसदरत्न

तामिळनाडू येथील राजभवनात राज्यपालांच्या हस्ते होणार पुरस्कार वितरण

हिंगोली लोकसभेचे खासदार राजीव सातव यांना संसदेतील अष्टपैलू कामगिरी बद्दल सलग चौथ्यांदा संसदरत्न पुरस्कार जाहिर झाला असुन बुधवारी दि. १६ जानेवारी रोजी तामीळनाडु येथील राजभवनात राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित यांच्या हस्ते पुरस्काराचे वितरण होणार आहे. आयआयटी चेन्नई व प्राईम पॉइंट फाऊंडेशनच्या

आयआयटी चेन्नई व प्राईम पॉइंट फाऊंडेशनच्या वतीने २००६ पासून दरवर्षी लोकसभेतील विविध काम् गिरीसाठी खासदारांना हा पुरस्कार देण्यात येतो. संसदेतील कामगिरी त्यांचा विविध चर्चामधील सहभाग, उपस्थित केलेल्या प्रश्नांची संख्या, खासगी सदस्य विधेयक संख्या, सभागृहातील उपस्थीती यासंदर्भात पीआरएस इंडीयाने दिलेल्या आकडेवारीवरुन कामगिरीची आढावा घेऊन लोकसभा सचिवालयामार्फत पुरवलेल्या माहितीवरुन याचे मुल्यांकन निवड समिती मार्फत केली जाते. दरवर्षी लोकसभेच्या सभागृहात अष्टपैलु कामगिरी बजावणा–या खासदारांची निवड करण्यात येते. यंदाच्या या पुरस्कारासाठी खा.राजीव सातव यांची निवड करण्यात आली आहे.

लोकसभेच्या हिवाळी अधिवेशन २०१६ पर्यंत खा,सातवांनी ८१ टके उपस्थीती लावत ११७ वेळा चर्चेची सुरुवात, ८८वेळाप्रत्यक्ष चर्चेत सहभागनोंदवला. तारांकीत

व अताराकीत असे १०७५ प्रश्न उपस्थीत करुन २३ खाजगी सदस्य विधेयक देखील मांडले. या अष्टपैलू कामगीरीवरुन खा.राजीव सातव यांची संसदरता पुरस्कारासाठी निवड झाली आहे. यासोबतच विविध गटातुन राष्ट्रवादी कॉंग्रेसच्या खा.सुप्रियाताई सुळे, शिवसेनेचे खा.श्रीरंग अप्पा बारणे यांची निवड करण्यात आली आहे.या पुरस्कार निवड समितीत केंद्रीय गृहराज्यमंत्री खा.हसराज आहिर, केंद्रीय राज्यमंत्री खा. अर्जुन मेघावाल, शिवसेनेचे खा. आनंदराव। अडसुळ यांचा समावेश आहे.

तामिळनाडू येथील राजभवनात येत्या १६ जानेवारी रोजी ही पारितोषिके वितरित करण्यात येणार आहेत. या पारितोषक वितरण सोहळ्यास तामिळनाडूचे राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित, केंद्रीय राज्यमंत्री अर्जुन मेघवाल, केंद्रीय राज्यमंत्री पी.पी चौधरी, आयआयटी मद्रासचे संचालक डॉ. भास्कर राममुती, प्राईम पाईटचे अध्यक्ष के. श्रीनीवास आदी मान्यवरांची उपस्थीती राहणार आहे.